मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 222, मुंबई, गुरुवार, 12 नवंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

# मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

## केंद्र का बड़ा फैसला

### डिजिटल मीडिया अब सूचना व प्रसारण मंत्रालय के अधीन

**नई दिल्ली।** देश का डिजिटल मीडिया अब केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्रालय के अधीन आ गया है। केंद्र सरकार ने बुधवार को इस आशय का आदेश जारी कर दिया। इस बारे में फैसला बीते सप्ताह मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया था। अब डिजिटल मीडिया भी सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन और नियंत्रण में होगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

## बहरीन के प्रधानमंत्री प्रिंस खलीफा का निधन

### अमेरिका में चल रहा था इलाज

बहरीन के शासक शेख हमद बिन ईसा अल खलीफा ने पीएम खलीफा के निधन पर एक हफ्ते के लिए राजकीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान बहरीन में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे

**संवाददाता**

**दुबई।** बहरीन के प्रिंस खलीफा बिन सलमान अल-खलीफा का बुधवार को 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। सलमान अल-खलीफा दुनिया में अब तक के सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री के रूप में याद किए जाएंगे। उन्होंने 1971 में बहरीन की स्वतंत्रता के बाद से देश के प्रधानमंत्री का पद संभाला हुआ था। यानी वह करीब 49 साल पीएम रहे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

### दुनिया में सबसे लंबे समय तक रहे प्रधानमंत्री

## अजीम प्रेमजी बने 'सबसे दानवीर भारतीय'

### हर रोज दान किए 22 करोड़ रुपए

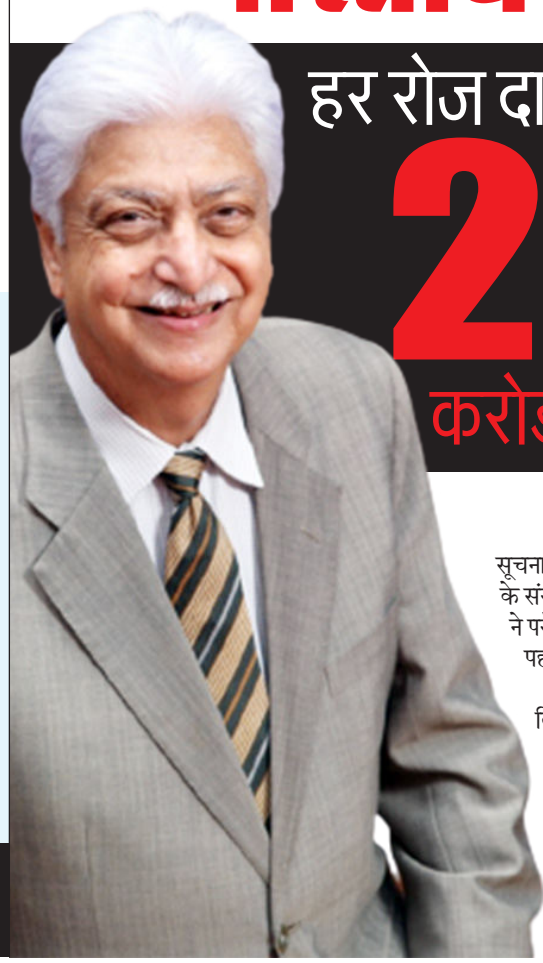

**संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिग्गज सूचना तकनीक कंपनी विप्रो के संस्थापक अजीम प्रेमजी ने परोपकारियों की सूची में पहला स्थान हासिल कर लिया है। प्रेमजी एक दिन में 22 करोड़ रुपये और एक साल में 7904 करोड़ रुपये दान करने वाले वित्तीय वर्ष 2020 में सबसे दानवीर भारतीय बन गए हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

### नया जनादेश

**कोरोना** संक्रमण के समय देश में हुए पहले चुनावों ने बता दिया है कि राजनीति का जो सिलसिला इस देश में चल रहा था, वह अभी बहुत बदला नहीं है। बिहार जैसे बड़े राज्य के विधानसभा चुनाव और कई राज्यों में हो रहे उपचुनावों को लेकर एक आशंका यह व्यक्त की जा रही थी कि सरकारों को जनता के कोप का भाजन बनना पड़ सकता है। लेकिन ऐसा हुआ नहीं, जाहिर है, ये चुनाव महामारी से सरकार के निपटने की कहानी भी कहते हैं। बेशक इसमें कई तरह की खामियां गिनाई जा सकती हैं, यह भी हो सकता है कि लोग इससे पूरी तरह संतुष्ट न हों, लेकिन लोग इसे लेकर नाराज हैं, कम से कम मतों के रुझान को देखकर तो ऐसा नहीं कहा जा सकता। यह माना जा रहा था कि कोरोना संक्रमण देश में बहुत कुछ बदल देगा, अब यह कहा जा सकता है कि कम से कम इससे भारत की राजनीति तो नहीं ही बदली है। इन सारे नतीजों का कुल जमा निचोड़ यही कहता है कि राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी के विजय रथ ने मोटे तौर पर अपनी यात्रा जारी रखी है। झारखंड और बिहार जैसे कुछ अपवाद जरूर हैं, जहां स्थानीय समीकरणों ने उसके सामने मुश्किलें खड़ी की हैं, इनमें से बिहार की चर्चा हम बाद में करेंगे। फिलहाल बात करते हैं बाकी राज्यों में हुए उपचुनावों की। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण मध्य प्रदेश था, जहां एक तो सबसे ज्यादा सीटों पर उपचुनाव था और दूसरे, यहां भाजपा ने अपनी सरकार दल-बदल से बनाई थी। दरअसल चुनाव दल-बदल के कारण खाली हुई सीटों पर ही हुए थे। लेकिन चुनाव नतीजे बता रहे हैं कि जनता ने इस तरह से सरकार बनाने की भाजपा की कोशिशों पर अपनी मुहर लगा दी है। मध्य प्रदेश में ही नहीं, ये उपचुनाव अन्य ज्यादातर राज्यों में भी कांग्रेस के लिए बुरी खबर की तरह हैं। उत्तर प्रदेश में एक को छोड़कर बाकी सभी सीटों को जीत कर भाजपा ने साफ कर दिया है कि वहां पार्टी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता कायम है। यही गुजरात में हुआ है और मणिपुर में भी। झारखंड में सत्ताधारी गठजोड़ ने अपनी बढ़त बरकरार रखकर इस बात पर मोहर लगा दी है कि महामारी के बाद भी इस देश की राजनीति जस की तस बनी हुई है। बिहार का विधानसभा चुनाव सबसे महत्वपूर्ण था, लेकिन हम इसकी चर्चा सबसे बाद में इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि इन पंक्तियों को लिखे जाने तक वहां मतगणना का काम जारी है और स्पष्ट रुझान भले ही दिख रहे हों, लेकिन अभी जो स्थिति है, उसमें नतीजे कहीं भी जा सकते हैं। इस बार बिहार में दांव बहुत बड़े हैं। एक तरफ, 15 साल के अनुभव और उसके साथ ही इतनी लंबी एंटीइनकंबेंसी का मुकाबला करने वाली सरकार है, तो दूसरी तरफ, एक युवा नेता जिन्होंने दो दिन पहले ही अपना 31वां जन्मदिन मनाया है। अगर हम राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव के साथ ही चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन न कर पाने वाली लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान को भी जोड़कर देखें, तो इन चुनावों ने बिहार को अगली पीढ़ी के राजनीतिज्ञ दे दिए हैं। ओपिनियन पोल से एक्जिट पोल तक जो अनुमान थे, इस बार बिहार के चुनाव नतीजे सभी को गलत साबित करने में जुट गए हैं। सरकार जिसकी भी बने, एक चीज स्पष्ट है कि इस बार बिहार के मतदाता स्थिर सरकार के साथ ही एक मजबूत विपक्ष भी देने जा रहे हैं।

# पंजाब में रेल रोको आंदोलन

**दिल्ली-एनसीआर** की नाक में दम करने और भीषण दंगों का कारण बनने वाले शाहीन बाग धरने पर सुप्रीम कोर्ट ने बीते सात अक्टूबर को यह फैसला दिया था कि विरोध प्रदर्शन के नाम पर सड़कों या फिर अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा स्वीकार्य नहीं है। इस फैसले का पंजाब के उन किसान संगठनों पर रत्ती भर भी असर नहीं पड़ा, जो कृषि कानूनों के खिलाफ रेल रोको आंदोलन के तहत रेल पटरियों पर बैठे थे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर गौर करने के बजाय आंदोलनरत किसानों ने रेल रोको आंदोलन जारी रखने का फैसला किया और फिर भी पंजाब सरकार ने रेल ट्रैक खाली कराने के लिए कोई जहमत नहीं उठाई। यात्री ट्रेनों और मालगाड़ियों का आवागमन ठप होने के कारण पंजाब में कोयले, उर्वरक आदि की आपूर्ति बाधित हो रही थी और उद्योगों के सामने मुश्किलें पेश आ रही थी, फिर भी मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह किसानों के बीच जाकर यह कहने में लगे थे कि वह उनके साथ हैं। उन्होंने धारा 144 के उल्लंघन के आरोप में किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने के भी आदेश दिए।

निःसंदेह वह यह नहीं कह रहे थे कि किसान रेल पटरियों पर काबिज रहें, लेकिन उनका समर्थन करने का कोई अवसर भी नहीं छोड़ रहे थे। नतीजा यह हुआ कि कोयले की किल्लत के चलते बिजली संयंत्र बंद होने की नौबत आ गई और उद्योगों को कच्चा माल मिलना बंद हो गया। इसके बाद अमरिंदर ने किसानों से रेल ट्रैक खाली करने की अपील की और रेलवे से केवल मालगाड़ियां चलाने का आग्रह किया। रेलवे ने कहा कि केवल मालगाड़ियां क्यों तो अमरिंदर सिंह का जवाब आया कि वह यात्री ट्रेनों की सुरक्षा की गारंटी नहीं ले सकते। रेलवे का कहना है कि चलेंगी तो मालगाड़ियां और यात्री ट्रेनें भी, क्योंकि कोई राज्य यह तय नहीं कर सकता कि कौन सी ट्रेन चले और कौन नहीं? अब यह मामला उच्च न्यायालय पहुंच गया है। पता नहीं वहां क्या होता है, लेकिन यह साफ है कि किसी को इसकी परवाह नहीं कि चंद दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिया है कि विरोध के नाम पर सार्वजनिक स्थलों पर कब्जा नहीं किया जा सकता। एक तरह से सुप्रीम कोर्ट के इस ऐतिहासिक बताए जाने वाले फैसले का कोई मूल्य-महत्व नहीं। पंजाब, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर जाने और वहां से आने वाले हजारों आम भारतीय परेशान हैं, लेकिन किसी को कोई परवाह नहीं। जिन्हें परवाह करनी चाहिए, वे दिल्ली आकर पंजाब में ट्रेनें चलाने की मांग तो कर रहे हैं, लेकिन यह नहीं कह पा रहे कि रेल पटरियों पर कब्जा करना गैर कानूनी और एक तरह से लोगों को बंधक बनाना है। दिल्ली में शाहीन बाग इलाके में केवल एक सड़क आंदोलनकारियों के कब्जे में थी, पंजाब में अनिगनत रेल ट्रैक कब्जे में हैं। शाहीन बाग की सड़क पर करीब तीन महीने तक कब्जा रहा। पंजाब के रेल ट्रैक लगभग एक माह से किसानों के कब्जे में हैं। शायद पंजाब के किसान संगठनों के साथ-साथ राजस्थान के गुर्जर संगठनों को भी यह पता है कि सुप्रीम कोर्ट के उक्त फैसले की कोई अहमियत नहीं, क्योंकि बीते हफ्ते उन्होंने आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर कब्जा जमा लिया। करीब दस दिन हो चुके हैं। वे रेल पटरियों पर काबिज हैं। इसके चलते कई ट्रेनों का रूट बदला गया है और कुछ को रद किया गया है। हजारों आम भारतीय परेशान हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का वह ऐतिहासिक फैसला उनकी कोई सहायता नहीं कर पा रहा है।

एक तरह से सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला रेल पटरियों तले कुचला जा रहा है और कोई कुछ नहीं कर पा रहा- स्वयं न्यायपालिका भी नहीं। सुप्रीम कोर्ट केवल फैसले ही नहीं देता। वह कभी-कभी फैसले देते हुए कड़ी फटकार भी लगाता है। कई बार इस फटकार की चपेट में सरकारें भी आ जाती है। इसी 29 अक्टूबर को बंगाल सरकार उसकी फटकार की चपेट में आई। वह इसलिए आई, क्योंकि कोलकाता पुलिस ने फेसबुक पर ममता सरकार की आलोचना करने वाली दिल्ली की एक महिला के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर उसे थाने में हाजिर होने को हुक्म दिया था। महिला ने कोलकाता हाई कोर्ट की शरण ली। उसे राहत नहीं मिली तो वह सुप्रीम कोर्ट पहुंची। सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार को फटकारते हुए कहा, यदि राज्यों की पुलिस इस तरह आम लोगों को समन जारी करने लगेगी तो यह एक खतरनाक ट्रेंड बन जाएगा। उसने साफ-साफ यह भी कहा कि लाइन मत क्रॉस कीजिए, भारत को एक आजाद देश बने रहने दीजिए। यहां हर किसी को बोलने की आजादी है और संविधान ने इसी कारण सुप्रीम कोर्ट को बनाया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य आम नागरिकों को प्रताड़ित न करें। उसने कोलकाता पुलिस को निर्देश दिया कि यदि उसे उक्त महिला से पूछताछ करनी है तो दिल्ली आकर करे। पता नहीं इस फटकार का बंगाल सरकार पर क्या असर हुआ होगा, लेकिन यह पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि अन्य सरकारों और खासकर महाराष्ट्र सरकार पर इसका तनिक भी असर नहीं पड़ा। इसका उदाहरण है नागपुर का समित ठक्कर। समित को 24 अक्टूबर को नागपुर पुलिस ने इस आरोप में गिरफ्तार किया कि उन्होंने एक ट्वीट में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के बेटे आदित्य ठाकरे को बेबी पेंगुइन कहा। 2 नवंबर को उन्हें जमानत मिली तो मुंबई के एक थाने की पुलिस ने फिर से गिरफ्तार कर लिया। 9 नंवबर को समित को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के आदेश हुए तो मुंबई के एक अन्य थाने की पुलिस ने उन्हें तीसरी बार गिरफ्तार कर लिया। चूंकि इस कथित आपत्तिजनक ट्वीट के खिलाफ शिवसैनिकों ने कई एफआइआर दर्ज कराई हैं इसलिए महाराष्ट्र के अलग-अलग थानों की पुलिस समित की गिरफ्तारी का सिलसिला जब तक चाहे, तब तक कायम रख सकती है और यह तय मानिए कि इस खुली अंधेरगर्दी पर कोई कुछ नहीं कर सकता।

## बाइडन के सामने घरेलू-अंतरराष्ट्रीय समस्याओं से निपटने की बड़ी चुनौती

**यह** अच्छा हुआ कि राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद जो बाइडन ने खास तौर पर यह कहा कि वह अमेरिका को एकजुट करेंगे। उनकी ओर से ऐसा कोई संदेश दिया जाना इसलिए आवश्यक था, क्योंकि अमेरिका इसके पहले वैचारिक रूप से इतना अधिक विभाजित कभी नहीं दिखा। बाइडन की जीत यह बता रही है कि अमेरिकी जनता ने ट्रंप के मुकाबले उनसे अधिक उम्मीदें लगा रखी हैं, लेकिन सबसे शक्तिशाली देश का राष्ट्रपति होने के नाते शेष विश्व ने भी उनसे तमाम उम्मीदें लगा रखी हैं। वास्तव में उनके सामने जितनी बड़ी चुनौती घरेलू समस्याओं से निपटने की है, उतनी ही अंतरराष्ट्रीय समस्याओं से भी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़ी चुनौती अड़ियल और अहंकारी चीन पर लगाम लगाने की है। ईरान, तुर्की और उत्तर कोरिया के प्रति तो उनकी संभावित नीति का अनुमान लगाया जा सकता है, क्योंकि वह चुनाव प्रचार के दौरान इन देशों के बारे में अपने विचार व्यक्त करते रहे हैं, लेकिन यह कहना कठिन है कि वह चीन के मामले में किस नीति पर चलेंगे? निगाह केवल

इस पर ही नहीं होगी कि वह चीन के साथ अमेरिका के व्यापार विवाद को कैसे सुलझाते हैं, बल्कि इस पर भी होगी कि वह बीजिंग की विस्तारवादी नीति पर अंकुश लगाने के लिए क्या कारगर कदम उठाते हैं?

बाइडन की चीन नीति पर भारत की अतिरिक्त दिलचस्पी होना स्वाभाविक है, क्योंकि चीनी सेना अपने अतिक्रमणकारी रवैये से बाज नहीं आ रही है। बाइडन की ओर से अफगानिस्तान और पाकिस्तान को लेकर अपनाए जाने वाले रवैये में भी भारत की दिलचस्पी होगी। इसमें कोई दोराय नहीं कि ट्रंप ने अफगानिस्तान को तबाह करने वाले तालिबान से समझौता कर आतंक की अनदेखी ही की। उन्होंने तालिबान से समझौता करके जहां पाकिस्तान के मन की मुराद पूरी की, वहीं भारतीय हितों की उपेक्षा भी की। उम्मीद है कि बाइडन प्रशासन यह समझने में देर नहीं करेगा कि तालिबान को पालने वाला पाकिस्तान पहले की ही तरह आतंकवाद को समर्थन देने में लगा हुआ है। जहां तक अमेरिका और भारत के आपसी संबंधों की बात है, इस पर लगभग सभी एकमत हैं कि दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे। इसकी एक वजह तो यह है कि ओबामा के दौर में उप राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने भारत से संबंध सुधारने की पहल की थी और दूसरी यह कि आज भारत को अमेरिका की जितनी जरूरत है, उतनी ही उसे भी भारत की। यह भी उल्लेखनीय है कि अब उप राष्ट्रपति कमला हैरिस होंगी, जो भारतीय-अफ्रीकी मूल की हैं। उनका उप राष्ट्रपति निर्वाचित होना अमेरिका के साथ-साथ वहां रह रहे भारतीय मूल के लोगों के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, गुरुवार
12 नवंबर, 2020



# केवल सोशल मीडिया के माध्यम से दिवाली संदेश स्वीकार करूंगा: मुख्यमंत्री

संवाददाता

**मुंबई।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा कि वह केवल सोशल मीडिया और ई-मेल के माध्यम से दिवाली की शुभकामनाएं स्वीकार करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि रोशनी का पर्व घर में ही सुरक्षित तरीके से मनाएं। महामारी से देश के सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में शामिल महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के अभी तक 17 लाख 26 हजार 926 मामले सामने आए हैं, जबकि 44,435 लोगों की मौत हो चुकी है। ठाकरे ने बयान जारी कर कहा, मैं केवल ई-मेल और सोशल मीडिया के माध्यम से दिवाली की

शुभकामनाएं स्वीकार करूंगा। हमें खुद को सुरक्षित रखना है और अपने प्रियजनों को स्वस्थ रखना है। यूरोप में महामारी की दूसरी लहर का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने आत्मसंतुष्टि नहीं होने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, कोरोना योद्धा हमें महामारी से बचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और हमें उन पर बोझ नहीं डालना चाहिए। उन्होंने कहा, दिवाली के बाद हमें स्कूल-कॉलेज शुरू करना है। हमें मास्क पहनने, हाथ धोने और सामाजिक दूरी बनाए रखने के प्रोटोकॉल का पालन करना है। उन्होंने लोगों से वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की अपील की।

# एसटी को पटरी पर लाने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का पैकेज

संवाददाता

**मुंबई।** महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के दो कर्मचारियों की आत्महत्या को ठाकरे सरकार ने गंभीरता से लिया है। सोमवार को जहां परिवहन मंत्री अनिल परब ने एक महीने का वेतन तत्काल देने की घोषणा की और एक और महीने का वेतन इसी माह के अंत देने का वादा किया, वहीं मंगलवार को 1,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज देने की घोषणा की। यह रकम अगले छह महीने में निगम को मिलेगी। निगम इस रकम से अपने कर्मचारियों का सभी तरह का बकाया वेतन 30 नवंबर से पहले चुका देगा। मंगलवार को राहत पैकेज की घोषणा करते हुए परिवहन मंत्री

अनिल परब ने कहा कि यह पैकेज अगले छह माह के लिए दिया गया है। पैकेज देने के संबंध में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीच बातचीत हुई। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस राहत पैकेज से परिवहन निगम को वापस पटरी पर लौटने में मदद मिलेगी। साथ ही कर्मचारियों के वेतन, अगले छह महीने के लिए ईंधन की लागत और अन्य खर्च पूरा करने में भी सहायता होगी। उन्होंने कहा कि निगम की बसों में यात्रियों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है। वहीं, निगम के स्थायी कर्मचारियों की मदद से एमएसआरटीसी फिर पटरी पर लौट आएगा। कोविड-19 संकट की वजह से निगम को लॉकडाउन के दौरान 3,000 करोड़ रुपये की आय का नुकसान हुआ है। इसकी वजह से कर्मचारियों का वेतन लंबित है।

# मुंबई में ही होगा शीतकालीन सत्र

**मुंबई।** महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र नागपुर की बजाय मुंबई में ही आयोजित किया जाएगा। सत्र 7 दिसंबर से शुरू होगा। सत्र के कार्यक्रम को लेकर इस महीने के अंत में काम-काज समिति की बैठक फिर बुलाई गई है। मंगलवार को मुंबई स्थित विधान भवन में महाराष्ट्र विधानमंडल काम-काज सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक बुलाने का मकसद शीतकालीन सत्र के आयोजन स्थल को लेकर था। दरअसल, हर साल शीतकालीन सत्र नागपुर में आयोजित किया जाता है। इस साल मॉनसून सत्र खत्म होने से ऐन पहले 7 दिसंबर को शीतकालीन सत्र नागपुर में आयोजित करने की घोषणा दोनों सदनों में की गई थी। कोरोना मरीजों को देखते हुए

चर्चा थी कि शीतकालीन सत्र नागपुर की बजाय मुंबई में ही रखा जाए। बैठक में कहा गया कि दुनियाभर में कोरोना के मरीज बढ़ रहे हैं। कई देशों में फिर से लॉकडाउन लागू किया जा रहा है। अपने यहां दिसंबर में ठंड पड़ती है। इससे संभव है कि मुंबई, महाराष्ट्र सहित देशभर में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़े। मुंबई की तुलना में नागपुर में ज्यादा ठंडी पड़ती है। ऐसे में शीतकालीन सत्र नागपुर की बजाय मुंबई में ही क्यों नहीं आयोजित की जाए? इस पर तय किया गया कि शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर को मुंबई में ही रखा जाए।

# कोविड अस्पतालों के 65% बेड खाली

**मुंबई।** मुंबई में कोरोना का रिकवरी रेट 90 फीसद से ज्यादा पहुंचने के साथ ही कोरोना अस्पतालों के बेड खाली होने लगे है। मरीजों के तेजी से ठीक होने के बाद विभिन्न अस्पतालों में कोरोना मरीजों के लिए आरक्षित 65 फीसद बेड खाली हैं। आईसीयू के 37 फीसद और वेंटिलेटर सुविधा वाले करीब 29 फीसद बेड पर मरीज हैं। अक्टूबर के मध्य से मुंबई में कोरोना के मामलों में लगातार कमी आ रही है। केवल एक सप्ताह में ही रोग के ग्रोथ रेट में 0.8 प्रतिशत की कमी आई है। 3 नवंबर को कोरोना का ग्रोथ रेट 0.38 प्रतिशत था, वह अब घटकर 0.30 तक पहुंच गया है। रोजाना नए मरीजों से ज्यादा लोगों को अस्पताल से छुट्टी मिल रही है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

### केंद्र का बड़ा फैसला

आदेश के अनुसार अब ऑनलाइन फिल्मों, ऑडियो-विजुअल कार्यक्रमों और ऑनलाइन समाचार और करेंट अफेयर्स (सम सामयिक) के कंटेंट (सामग्री) सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत आएंगे। सरकार का यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। आदेश के अनुसार ऑनलाइन विषय-वस्तु प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए फिल्म और दृश्य-श्रव्य कार्यक्रम औरऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर समाचार और समसामयिक विषय-वस्तु सूचना मंत्रालय के अधीन आएंगे।

### बहरीन के पीएम प्रिंस खलीफा का निधन

बहरीन की सरकारी समाचार एजेंसी ने उनके निधन की घोषणा की और कहा कि अमेरिका के मेयो क्लिनिक में खलीफा का इलाज चल रहा था। बहरीन न्यूज एजेंसी (बीएनए) ने कहा, रॉयल कोर्ट ने अपने रॉयल हाईनेस के प्रति शोक व्यक्त किया, जिनका बुधवार सुबह अमेरिका के मेयो क्लिनिक में निधन हो गया है। साथ ही न्यूज एजेंसी ने कहा कि देश में एक सप्ताह के राजकीय शोक की घोषणा की गई है। उन्हें दफनाने की रस्म अमेरिका से शव स्वदेश लाने के बाद होगी। कोरोना प्रतिबंधों के अनुरूप इस रस्म में शामिल होने वाले रिश्तेदारों की संख्या को सीमित रखा जाएगा। राजकीय शोक सप्ताह के दौरान झंडे को आधे मस्तूल पर फहराया जाएगा। वहीं, सरकारी मंत्रालयों और विभागों को तीन दिनों तक बंद रखा जाएगा। प्रिंस खलीफा की ताकत और संपत्ति की झलक इस छोटे से देश में चारों ओर दिखाई पड़ती है। देश के शासक के साथ उनका चित्र कई दशकों तक सरकारी दीवारों की शोभा बढ़ाता रहा। खलीफा का अपना एक निजी द्वीप था जहां वह विदेशी आगंतुकों से मुलाकात करते थे। प्रिंस खलीफा, खाड़ी देशों में नेतृत्व करने की पुरानी परंपरा का प्रतिनिधित्व करते थे, जिसमें सुन्नी अल खलीफा परिवार के प्रति समर्थन जताने वालों को पुरस्कृत किया जाता था। हालांकि उनके तौर तरीकों को 2011 के विरोध प्रदर्शन के दौरान चुनौती मिली थी। साल 2011 की अरब क्रांति के दौरान भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते उन्हें हटाने की मांग भी उठी थी।

### अजीम प्रेमजी बने 'सबसे दानवीर भारतीय'

हुरून रिपोर्ट इंडिया और एडेलगिव फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रेमजी ने एचसीएल टेक्नोलॉजी के शिव नाडर को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया है, जो इससे पहले परोपकारियों की लिस्ट में शीर्ष पर चल रहे थे। नाडर ने वित्त वर्ष 2020 में 795 करोड़ रुपये दान किए, जबकि इससे एक साल पहले उन्होंने 826 करोड़ परोपकार पर खर्च किए थे। प्रेमजी ने इसे पहले यानी वित्त वर्ष 2018-19 में महज 426 करोड़ रुपये दान पर खर्च किए थे। लेकिन, इस साल उन्होंने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और भारतीय उद्यमियों की तरफ से किए गए दान को वित्त वर्ष 2020 में 175 फीसदी बढ़ाते हुए 12,050 करोड़ रुपये पर पहुंचा दिया। अजीम प्रेमजी एंडोमेंट फंड के पास विप्रो के प्रमोटर्स में करीब 13.6 फीसदी हिस्सेदारी है और यह फंड प्रमोटर के हिस्से के तौर पर मिलने वाली अपनी पूरी रकम लेने का अधिकार रखता है। सबसे अमीर भारतीय और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दानवीर भारतीयों की सूची में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने वित्त वर्ष 2018-19 में 402 करोड़ रुपये दान देने के मुकाबले वित्त वर्ष 2020 में 402 करोड़ रुपये परोपकार पर खर्च किए हैं। विप्रो कंपनी की प्रतिद्वंद्वी इंफोसिस के तीनों सह संस्थापक भी दानवीरों की सूची में शामिल हैं। इनमें नंदन नीलेकणि ने 159 करोड़ रुपये, गोपाल कृष्णन ने 50 करोड़ रुपये और एसडी शिबूलाल ने 32 करोड़ रुपये दान पर खर्च किए। हालांकि, कोरोना वायरस संक्रमण से लड़ने के लिए दिए गए दान में टाटा संस ने 1500 करोड़ रुपये के साथ सभी को पीछे छोड़ दिया। उनके बाद इस सूची में भी प्रेमजी 1125 करोड़ रुपये के साथ दूसरे नंबर पर हैं, जबकि अडानी ने 510 करोड़ रुपये का दान दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर गठित पीएम-केयर्स फंड में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 500 करोड़ रुपये, टाटा संस ने 500 करोड़ रुपये और आदित्य बिड़ला ग्रुप ने 400 करोड़ रुपये का दान दिया है। परोपकारी उद्यमियों के दान से सबसे ज्यादा फायदा शिक्षा क्षेत्र को हुआ, जहां प्रेमजी और नाडर के नेतृत्व में 90 परोपकारियों ने 9324 करोड़ रुपये का दान दिया। इसके बाद 84 दानदाताओं ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए और 41 दानदाताओं ने आपदा राहत व पुनर्वास कार्यक्रम के लिए दान दिया।

## बंगाल की मुख्यमंत्री ममता का बड़ा फैसला

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए बुधवार को बड़ा फैसला लिया है। अगले साल यानी 2021 में 10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स बगैर परीक्षा दिए पास कर दिए जाएंगे। स्टेट एजुकेशन डिपार्टमेंट ने इसके लिए आदेश भी जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी छात्रों को जस्ट पास माना जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि नवंबर के आखिरी हफ्ते तक स्कूल खोलने पर फैसला लिया जा सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने लोगों के जमावड़े और ट्रांसपोर्ट से जुड़ी पाबंदियों में ढील देने पर केजरीवाल सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा- दिल्ली में संक्रमण की रफ्तार बेकाबू हो चुकी है। सरकार के पास इससे निपटने के लिए कोई रणनीति है या नहीं? अदालत ने सरकार से पिछले दो हफ्ते में कोरोना की रोकथाम के लिए किए गए उपायों पर स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी। हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि राजधानी में कोरोना केस लगातार बढ़ रहे हैं। सीरो सर्वे के नतीजे दिखाते हैं कि दिल्ली में हर चौथा इंसान संक्रमित हो चुका है। शहरी राज्य दिल्ली संक्रमण के मामले में केरल और महाराष्ट्र को पीछे छोड़ रहा है। दूसरे राज्य पाबंदियां बढ़ा रहे हैं, लेकिन दिल्ली सरकार तमाम सावधानियों को हवा में उड़ाते हुए नियमों में ढील दे रही है।

# बिहार चुनाव के परिणाम से निराश हुए लालू यादव

## तेजस्वी को दी गठबंधन की राजनीति में संभावनाएं तलाशने की सलाह

**रांची।** बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम से राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव काफी मायूस हैं। लालू यादव बिहार चुनाव परिणाम आने के बाद ताजा राजनीतिक परिस्थितियों और गठबंधन की राजनीति में संभावनाओं की तलाश को लेकर अपने पुत्र तेजस्वी प्रसाद यादव समेत अन्य नेताओं से भी संपर्क स्थापित करने की कोशिश की है। बहुचर्चित चारा घोटाले मामले में सजायाफ्ता लालू प्रसाद ने रांची में रिम्स निदेशक के केली बंगले से ही अपने सेवादारों के माध्यम से बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी की कमान संभाले तेजस्वी प्रसाद को यह कहते हुए सांत्वना दी है कि तमाम विपरीत परिस्थितियों में भी चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है। लालू ने कहा कि जिस तरह से बिहार विधानसभा में जनादेश आया है, ऐसे में एनडीए गठबंधन में शामिल बीजेपी-जदयू के अलावा दो अन्य दलों की भी महत्ता बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में गठबंधन की राजनीति में संभावनाएं लगातार बनी रहती हैं। यूपीए फोल्डर को पूरी तरह से एकजुट रखते हुए भविष्य की राजनीतिक संभावनाओं और विकल्प तलाशने की कोशिश बरकरार रह जाती है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बिहार चुनाव परिणाम से लालू प्रसाद के चेहरे पर छायी उदासी साफ तौर पर देखने को मिल रही है। हालांकि हार के बावजूद तेज प्रताप और तेजस्वी की जीत से उन्हें थोड़ी राहत जरूर मिली है। सूत्रों के मुताबिक, लालू प्रसाद ने मंगलवार की देर रात तक टीवी देखी और जब तक परिणाम की घोषणा नहीं हो गए, वे लगातार विभिन्न टीवी चैनलों को देखकर सियासी समीकरण को समझने की कोशिश करते रहे। उन्होंने समाचार विश्लेषणों के माध्यम से यह भी जानने की कोशिश की कि किस-किस विधानसभा में कमी रह गई है।

# मुंबई: बच्चों को मास्क पहनकर जाना होगा स्कूल

## एक दिन में 50 फीसद विद्यार्थी ही कर पाएंगे पढ़ाई

**संवाददाता**

**मुंबई।** राज्य सरकार ने स्कूल-जूनियर खोलने को लेकर शासनादेश (जीआर) जारी कर दिया। इसीलिए राज्य में स्कूल खुलने पर पहली बार विद्यार्थी अपनी स्कूली ड्रेस के साथ मुंह पर मास्क लगाए दिखेंगे। इस दौरान स्कूलों में बच्चों को सोशल डिस्टेंसिंग का भी ध्यान रखना होगा। इस बार स्कूल खुलने पर विद्यार्थी किताबें, पेन आदि का लेन-देन नहीं कर पाएंगे। उन्हें स्कूल खुलने पर शिक्षकों और अभिभावकों के जरिए विशेष रूप से अपने स्वास्थ्य का ख्यान रखने के लिए कहा जाएगा। स्कूल परिसर में एक स्थान पर चार बच्चों से अधिक जमा नहीं हो सकेंगे। अगर अड़ोस-पड़ोस में किसी व्यक्ति को खांसी अथवा

बुखार हुआ होगा, तो ऐसे बच्चों को स्कूल में आने से मना किया जाएगा। अगर स्कूल में विद्यार्थी कोरोना महामारी को लेकर जारी दिशानिर्देशों का पालन नहीं करते हैं, तो उनके अभिभावक को उसके बारे में सूचित किया जाएगा। स्कूल खुलने पर स्कूल मैनेजमेंट कमिटी की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। सरकार ने स्कूल मैनेजमेंट कमिटी से स्कूल में भीड़ को टालने के लिए एक दिन में 50 फीसद विद्यार्थियों को ही स्कूल बुलाने का निर्देश दिया है। बाकी 50 फीसद बच्चे अगले दिन बुलाए जाएंगे। यानी एक विद्यार्थी सप्ताह में तीन दिन ही स्कूल जाएगा। इस तरह से एक दिन में 50 फीसद विद्यार्थी ऑनलाइन और 50 फीसद विद्यार्थी ऑफलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। जीआर के मुताबिक, स्कूलों में मैथ्स, साइंस और इंग्लिश जैसे प्रमुख विषयों की पढ़ाई होगी। बाकी के विषय ऑनलाइन पढ़ाए जाएंगे। हर दिन स्कूल में तीन से चार घंटे की पढ़ाई होगी। इस दौरान स्कूल में भोजन का अवकाश नहीं होगा।

**संभव हो तो अपने साधन से स्कूल जाएं विद्यार्थी:** जीआर में स्कूल खुलने पर विद्यार्थियों के आने-जाने के लिए आवागमन के साधन को लेकर स्पष्ट दिशानिर्देश दिए गए हैं। इसमें अभिभावकों से कहा गया है कि कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए अगर संभव हो तो वे अपने निजी वाहन से बच्चों को स्कूल छोड़ें। साथ ही, जिन स्कूलों के पास अपनी बस है, उन्हें दिन में दो बार स्कूल बसों को सैनिटाइज करना होगा। बसों में एक छह फुट की दूरी के नियमों का पालन करना होगा। बस और कार की खिड़की पर परदा नहीं डालना है और खिड़की को खुला रखना होगा। एसी बसों में 24 से 30 डिग्री सेल्सियस तापमान रखना होगा। संभव हो तो गाड़ी में हैंड सैनिटाइजर रखना है।

**स्कूल के गेट पर होगी थर्मल स्क्रीनिंग:** स्कूल खुलने पर स्कूल प्रबंधन को विशेष उपाय योजना करने होंगे, ताकि स्कूल में भीड़ नहीं होने पाए। स्कूल के गेट पर थर्मल स्क्रीनिंग की व्यवस्था करनी होगी। विद्यार्थी, शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारियों के अलावा किसी भी व्यक्ति को स्कूल परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। स्कूल में हाथ धोने की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध करवाना होगी। स्कूल में थर्मामीटर, थर्मल गन, पल्स ऑक्सीमीटर, सैनिटाइजर, साबुन, पानी और स्कूल की स्वच्छता आदि की व्यवस्था स्थानीय प्रशासन को सुनिश्चित करनी होगी। स्कूल शुरू होने से पहले और छूटने के बाद स्कूल परिसर और सभी कक्षाओं को सैनिटाइज करना होगा।

# विधायक निधि में नहीं होगी कोई कटौती

**मुंबई।** राज्य के वित्त विभाग ने परिपत्रक जारी कर साफ किया है कि विधायकों के विकास निधि में कोई कटौती नहीं होगी, उन्हें पूरी निधि मिलेगी। वहीं, राज्य सरकार ने 18 विभागों को साल 2020-21 के बजट में आंवटित निधि में से 75 प्रतिशत वितरित करने को मंजूरी दी है। दरअसल, कोरोना काल के चलते राज्य की आर्थिक स्थिति विकट हो गई थी, लेकिन अब वह धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है। वित्त विभाग के परिपत्रक के अनुसार, राज्य में विधायक निधि के 100 प्रतिशत वितरण को मंजूरी दी गई है। जिला वार्षिक योजना के सर्वसाधारण, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति घटक कार्यक्रम के तहत 100 प्रतिशत निधि वितरित की जाएगी। इसके अलावा, सरकार के गृह विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, राजस्व व वन विभाग, कृषि विभाग, पशु संवर्धन, दुग्धविकास व मत्स्य विभाग, स्कूली शिक्षा व खेल विभाग, नगर विकास विभाग, वित्त विभाग, सार्वजनिक निर्माण कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, मृदा व जल संरक्षण विभाग, जल संसाधन विभाग, उद्योग समेत 18 विभागों को बजट में आवंटित निधि में से 75 प्रतिशत राशि वितरित करने को मंजूरी दी गई है। इससे पहले 4 मई को सरकार ने शासनादेश जारी कर अलग-अलग विभागों में 33 प्रतिशत निधि उपलब्ध कराने का फैसला किया था।

# 'आप आपने जज्बा का चयन नहीं करते हैं, आपका जज्बा आपको चुनता है': जेफ बेझोस

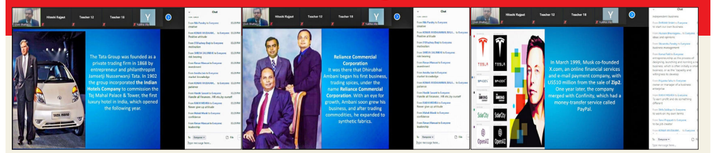


**ग्रह** पर सबसे अमीर आदमी का उदाहरण ले लो, क्योंकि वह भी एक दृष्टि, एक विचार, एक ड्राइव...एक एंटरप्रेन्योर ड्राइव से शुरू हुआ था। और क.पी.बी हिंदुजा कॉलेज के कॉमर्स एसोसिएशन ने लोगों के सपनों को उनके करीब लाने के लिए एक यात्रा शुरू की है, क्यूंकि वे एंटरप्रेन्योरशिप की भावना को अपने सबसे अच्छे रूप में मनाते हैं। हिंदुजा के कॉमर्स एसोसिएशन (एच.सी.ए) वाणिज्य, अर्थव्यवस्था और अधिक का सार मनाने और मनाने के उद्देश्य से आपनी तरह की एक पहल है। कार्यक्रम 'उद्यमिता पर वेबिनार' ८५ उपस्थित लोगों की उपस्थिति में शुरू किया गया था, जिसमें युवा वयस्क, इच्छुक उद्यमी, कॉलेज के संकाय सदस्य और के.पी.बी हिंदुजा कॉलेज ऑफ कॉमर्स की प्रिंसिपल ,डॉ. मीनू मदलानी भी शमिल थी। हिंदुजा कॉलेज के छात्र हितेशी राजपूत और हिंदुजा कॉमर्स एसोसिएशन की सदस्य ने सभी उपस्थित लोगों और इवेंट के स्पीकर को वधाई दी और उन्हें एसोसिएशन के पीछे का विचार, मिशन और विजन बताया। और प्रिंसिपल डॉ मीनू मदलानी से कुछ शब्द कहने का अनुरोध किया। प्रिंसिपल डॉ मीनू ने पहले सत्र में वेबिनार के स्पीकर का स्वागत किया; श्री विवेक भट्टाचार्य,टाटा टेसकॉम के संस्थापक और कैपस टू कॉपोरेट और एच,सी,ए के साथ सहयोग करने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने 'एतमानिरभारत' पर कुछ पंक्तियाँ कहकर फिर से शुरू किया और एंटरप्रेन्योरशिप की लहर जो हमारे देश में लहरा रही है और मजबूत हो रही है उस पर कुछ कहा। उन्होंने सभी विद्यार्थी के साथ-साथ शिक्षक संयोजक, प्राध्यापक की भी प्रशंसा की। विनीत उपाध्याय जिन्होंने हिंदुजा के कॉमर्स एसोसिएशन के उनके विचार में मदद की और आगे बढ़ाया। इसके अलावा, सराहनीय परिचय पढ़ा गया और इस कार्यक्रम की कमान स्पीकर श्री विवेक भट्टाचार्य को सौंप दी गई। सत्र पूरे जोरों पर शुरू हो गया था सबसे पहले स्पीकर विवेक ने उपस्थित लोगों के साथ इंटरप्रेन्योरशिप विषय पर बातचीत कि। स्पीकर श्री विवेक भट्टाचार्य द्वारा आवरण किए गएकिय विषय नीचे दिए गए हैं।

**एन्त्रेप्रेनेऊर क्यों बनें?**

सामाजिक और व्यक्तिगत दोनों प्रकार की वित्तीय समस्याओं को हल करने के लिए, अपने मालिक खुद बन के लिये, अपनी क्षमता का पता लगाने और एक उद्यमी के रूप में प्रयोग करने और विस्तार करने के लिए।

**उद्यमशीलता:** आप अपनी शर्तों पर काम करते हैं। हर कोई किसी न किसी समय अपने मालिक होने का सपना देखता है; उद्यमशीलता आपको ऐसा करने में मदद करती है। लेकिन इस सपने को सच करने के लिए एक निश्चित मात्रा में अनुशासन की भी आवश्यकता होती है।

**भारत को उद्यमियों की आवश्यकता के 6 कारण**

नए नवाचार प्राप्त करने के लिए, नए विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए जो लोगों के जीवन को सरल बना सकते हैं और देश का विकास कर सकते हैं। भारत में निवेश करने के लिए बड़ी संख्या में आभासी पूंजीपति हैं और उन्हें प्रेरित करने के लिए सरकार की पहल और व्यक्ति को यह जानना चाहिए कि इन अवसरों को अपने लाभ के लिए कैसे उपयोग किया जाए।

**एक उद्यमी की महत्वपूर्ण भूमिका और जिम्मेदारियां**

- विपणन रणनीति , बिक्री की रणनीति, संचालन, अनुसंधान और विकास, वित्त, प्रबंधन।
- भारत अन्य देशों की तुलना में दुनिया की जनसंख्या के अनुसार जीडीपी के वैश्विक सूचकांक में पीछे है। संयुक्त विश्व की जीडीपी १०.८१ है जबकि भारत १.८८ के साथ है

**भविष्य आपके हाथों में है और भविष्य के परिणाम आपके साथ हैं: श्री विवेक भट्टाचार्य**

**कुछ उल्लेखनीय उदाहरण साझा किए गए**

- टाटा ग्रुप (स्थापना .१९८८) - जमशेदजी नुसीरवानजी टाटा
- रिलायंस इंडस्ट्रीज ( स्थापना .१९६६) - धीरूभाई अंबाणी
- अदानी ( स्थापना .१९८८) - गौतम अदानी
- टेस्ला , पेपल के सी.ई.ओ और संस्थापक - इलॉन मस्क
- १९७५ में मायक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक - बिल गेट्स

वेबिनार चरण दो में प्रश्न और उत्तर का एक दौरा चला। स्पीकर के साथ प्रश्न और उत्तर सत्र दिलचस्प, अत्यधिक जानकारीपूर्ण, इंटरैक्टिव सत्र था। सिमाब टेमकर, के.पी.बी हिंदुजा कॉलेज ऑफ कॉमर्स और हिंदुजा के कॉमर्स एसोसिएशन के एक अन्य सदस्य ने श्री विवेक भट्टाचार्य को धन्यवाद और प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए प्रोफेसर विनीत उपाध्याय को आमंत्रित किया। इस के बाद सभी उपस्थित लोगों को पूरे आयोजन में भागीदारी और नैतिकता के लिए विनम्रतापूर्वक धन्यवाद दिया गया और प्रिंसिपल डॉ. मीनू मदलानी एचसीए की पहली घटना और उस पर एक सफल व्यक्ति की तरह अनुमति के साथ, स्थगित कर दिया गया था।

## बुलढाणा हलचल

# ईमानदारी की पेश की जिंदा मिसाल, 81 हजार रुपये लौटाए

**बुलढाणा।** लोग पैसे के लिए जो चाहें करते हैं। अगर किसी का पैसा मिल भी जाता है, तो भी उसे वापस करने के लिए ईमानदारी की कमी है। लेकीन एक पत्रकार ने ईमानदारी की जिंदा मिसाल पेश करते हुए नादुंरा खुर्द के एक किसान के बेटे निचे गीरे हुए 81,000 रुपये पुलिस द्वारा उस व्यक्ति को लौटाए गए। प्राप्त विवरण के अनुसार नंदुरा खुर्द के एक 34 वर्षीय किसान सचिन वसंत कोल्हे ने अपना खेत बेच कर वो कल नई मोटरसाइकिल खरीदने के लिए अपनी जेब में 1 लाख रुपये लेकर बुलडाणा पहुंचा। शहर जांभरुण मार्ग पर एक यूको बैंक

के सामने सड़क के किनारे नशे की हालत में सचिन पड़ा हुआ था। जहां वह पडा था वहां पर चोर सड़कों पर उत्पात मचाते रहते है। सचिन की जेब में पैसे के 2 से 3 बंडल थे।आज सुबह यहां के एक जब न्यूज चैनल के एक पत्रकार दीपक मोरे इस सड़क से गुजुर रहे थे। उस वक्त उन्होन देखाके नशे कि हालत मे सो रहे सचिन के पास 3 से 4 बच्चों की हरकत को देखकर मोर ने पुलिस को फोन किया और मौके पर बुलाया। पुलिस ने मौके पर जाकर त सचिन की जेब से 81,600 रुपये और उसका मोबाइल फोन अपने ताबे मे लिया। नशे के वजह से सिर में चोट लगने के बाद सचिन को पुलिस ने उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। इस बीच, सचिन के भाई सुशांत कोल्हे को शहर पुलिस स्टेशन बुलाया गया है। और सभी पैसे और मोबाइल उन्हें पुलिस स्टेशन थानेदार प्रदीप साळुंखे और दीपक मोर द्वारा सौंपे गए हैं। यदि दीपक मोर समय पर उस स्थान पर नहीं रुके ना होते, तो चोर उचक्के ने 81,000 रुपये उड़ा ले गए होते।

# किसानों को सरकारी मक्का खरीद का लाभ उठाना चाहिएः विधायक राजेश एकडे

**बुलडाणा।** इस साल अच्छी बारिश के कारण, किसान बड़ी मात्रा में मक्का का उत्पादन करने में सक्षम हुए हैं। नंदूरा में शासकीय मक्का खरीदना शुरू करना चाहिए। ऐसी मांगतालुका में मक्का उत्पादकों की थी। मका उत्पादक किसानों की उचित मांग थी। मक्का उत्पादकों की वास्तविक मांग को देखते हुए, आज मलकापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश एकडे ने बालाजी जिनिंग और नंदुरा एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड नंदुर के वाडी गोडाउन के माध्यम से नंदुरा में खरीद और बिक्री टीम के माध्यम से मक्का खरीदना शुरू कर दिया। किसानों के समर्थन में महावीर अगाड़ी सरकार मजबूती से खड़ी है और किसानों को सरकारी मक्का खरीद का लाभ उठाना चाहिए। ऐसी भावना विधायक राजेश ने व्यक्त की है। इस अवसर पर जेष्ठ कांग्रेस नेते पदम पाटील, नांदूरा तालुका काँग्रेस कमिटीचे अध्यक्ष भगवान धांडे, शिवसेना उपजिल्हा प्रमुख वसंतराव भोजने, राष्ट्रवादी काँग्रेस पाटीर्चे जिल्हा उपाध्यक्ष मोहन पाटील, जिल्हा काँग्रेस कमिटीचे सरचिटनीस निलेश पाउलझगडे, जिल्हा पुनर्वसन समितीचे सदस्य पुरूषोत्तम झाल्टे, सहाय्यक निबंधक महेश कृपलानी, नायब तहसिलदार संजय मार्कंड, नांदुरा अग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लि.नांदुरा अमोल धामोडकर, युवा सेनेचे ईश्वर पांडव, सागर काटे पाटील और तालुका के किसान उपस्थित थे।

## मधुबनी हलचल

# मधुबनी की 10 सीट में 8 पर एनडीए की बड़ी जीत

**संवाददाता/मो सालिम आजाद**

**मधुबनी।** बिहार विधानसभा चुनाव 2020 का फाइनल नतीजा मधुबनी शहरी सीट से राजद के उम्मीदवार समीर कुमार महासेठ ने दूसरी बार जीत दर्ज की है और बेनिपटटी विधानसभा से बि,जे, पि, के विनोद नरायन झा, बिसफि विधानसभा से बि, जे,पी, के हरी भुशन ठाकुर बचोल, झंझारपु विधानसभा से बि जे पी के नितीश मिश्रा, लोकहा विधानसभा से राष्ट्रीय जनता दल के उमीदवार भरत भुशन मंडल, हरलाखी विधानसभा से जद यु के सुधांशु शिखर, राज नगर विधानसभा से बि जे पी के राम पिरित पासवान, फुलपरास विधानसभा से बि जे पी के शिला कुमारी, बाबु बहरी विधानसभा से जद, यु के मिना कुमारी, खजोली विधानसभा से बि जे पी के अरुन शंकर परसाद आप को मालूम हो कि बिसफि विधानसभा से डा. फैयाज अहमद कि शिकसत से बिसफि की वोटरों में मायुसी तारी है लोगों को मानना है कि मुसलिम अकसरियत इलाका होने की वजह से उन कि फताह यकिनी होगी लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

## समस्तीपुर हलचल

# कौन जीता कौन हारा, किसको मिला कितना वोट, हार जीत का अंतर

**संवाददाता/जकी अहमद**

**समस्तीपुर।** समस्तीपुर बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के 10 विधानसभा क्षेत्रो में किसने किसको पराजित किया। 131. कल्याणपुर सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र से जीते : महेश्वर हजारी (जदयू) उन्हें वोट मिले : 66105 हारे : रंजीत राम (माले) उन्हें वोट मिले : 55879 जीत का रहा अंतर : 10226 इसी तरह 132. वारिसनगर विधानसभा क्षेत्र से जीते : अशोक कुमार मुन्ना (जदयू) को वोट मिले : 68229, हारे : फूलबाबू सिंह (माले) उन्हें वोट मिले : 54316 जीत का रहा अंतर : 13913,, इसी तरह 133. समस्तीपुर विधानसभा से जीतेः अख्तरूल इस्लाम शाहीन (राजद) उन्हें वोट मिले : 68525, हारे : अश्वमेघ देवी (जदयू) उन्हें वोट मिले : 63793 जीत का रहा अंतरः 4832, इसी तरह 134. उजियारपुर विधानसभा क्षेत्र से जीते : आलोक कुमार मेहता

(राजद) उन्हें वोट मिले : 90232, हारे : शील कुमार राय उन्हें वोट मिले : 67222 जीत का रहा अंतर : 23010, इसी तरह 135. मोरवा विधानसभा क्षेत्र से जीतेः रण विजय साहू (राजद) उन्हें वोट मिले : 59378 हारे : विद्यासागर निषाद (जदयू) उन्हें वोट मिले : 48828 जीत का रहा अंतर : 10550, इसी तरह 136. सरायरंजन विधानसभा क्षेत्र से जीते : विजय कुमार चौधरी (जदयू) उन्हें वोट मिले : 70302 हारे : अरविंद कुमार सहनी उन्हें वोट मिले : 68801 जीत का रहा अंतर : 4712, इसी तरह 137. मोहीउद्दीननगर विधानसभा क्षेत्र से जीते : राजेश कुमार सिंह (भाजपा) उन्हें वोट मिले : 70302 हारे : एज्या यादव (राजद) उन्हें वोट मिले : 55107 जीत का रहा अंतरः 15195, इसी तरह 138. विभूतिपुर विधानसभा क्षेत्र से जीते अजय कुमार (माकपा) उन्हें वोट मिले : 72822 हारे : राम बालक सिंह (जदयू) उन्हें वोट मिले : 32750 जीत का रहा अंतर : 40072, इसी तरह 139. रोसड़ा सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र से जीते : वीरेन्द्र कुमार (भाजपा) उन्हें वोट मिले : 86978 हारे : नागेन्द्र कुमार विकल (कांग्रेस) उन्हें वोट मिले : 51161 जीत का रहा अंतर : 35817, इसी तरह 140. हसनपुर विधानसभा क्षेत्र से जीते : तेज प्रताप यादव (राजद) उन्हें वोट मिले : 80822 हारे : राज कुमार राय (जदयू) उन्हें वोट मिले : 59783 जीत का रहा अंतरः 21039।

# आशा कार्यकर्ताओं ने लंबित भुगतान को लेकर अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ जमकर भड़ास निकाला

**समस्तीपुर।** हसनपुर पीएचसी के सामने आशा संघ के सदस्य ने अपने लंबित पड़े भुगतान को लेकर अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ जमकर भड़ास निकाला। अलग अलग क्षेत्रों से पहुंचे दर्जनों आशा कार्यकर्ताओं ने अस्पताल के बाहर व्यवस्था के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर मौजूद आशा संघ के सदस्यों ने बताया कि

बाल जननी सुरक्षा योजना, आदर्श दंपति योजना, बंध्याकरण सहित एचबीएनसी प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं हो पाया है। लेखापाल पर मनमानी का आरोप लगाते हुए आशा ने बताया कि हमलोगों को बेवजह भुगतान के लिए परेशान किया जाता है। मांग करने पर सिर्फ बैंक खाता चेक करने को कहा जा रहा है। मौके पर मौजूद रीना देवी, ममता देवी, सलमा खातून, शीला देवी, भारती देवी, विभा कुमारी, ममता सैनी, सविता देवी, रीना कुमारी, शोभा देवी सहित दर्जनों आशा कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने अपने लंबित राशि कि अविलंब भुगतान करने कि मांग कि है। मौजूद कार्यकर्ताओं ने भुगतान नहीं होने पर अनिश्चितकालिन हड़ताल पर जाने का फैसला लिया है।

## रामपुर हलचल

# नगर के मुख्य मार्ग से होकर गुजरने वाली ट्रैक्टर ट्राली जिसमें भारी मात्रा में चौका आदि भर कर लाया जाता है

**संवाददाता नदीम अख्तर**

**टांडा (रामपुर)।** नगर के मुख्य मार्ग से होकर गुजरने वाली ट्रेक्टर ट्राली जिसमें भारी मात्रा में चौका आदि भर कर लाया जाता है बड़े वाहनों से अधिक भार भर कर यातायात नियमों का पालन न कर टेक्स आदि से पहुंचाया जाता है नुकसान नगर के अन्दर मुहल्लों में चौको से लदी ट्राली को भर कर चलाया जाता है साथ ही भारी वजन के चलते सड़कों एवं नालियों को तोड़ फोड़ कर पहुंचाया जाता है नुकसान, कानून एवं नियम ताक में रखकर भी की जाती है अन्देखी, बिना नम्बर की प्लेट लोडेड ट्रक ट्रालियों से किया जाता है अपना कारोबार शिकायतो आदि के बावजूद नहीं हो पाता है नियंत्रण, नियम विरुद्ध यातायात संचालको के है होंसले बुलंद। नगर के मुख्य मार्ग से होकर चौके आदि के वजन से भरे टेक्टर ट्रालियों को बिना नम्बर प्लेट के चलते देखा जा सकता है ट्रालियों में ट्रकों से अधिक चौके आदि भर कर साथ उनको तिरपाल से ढककर नगर के अन्दर बेचने के उद्देश्यों से लाया जाता है। अक्सर मुख्य मार्ग पर ट्राली ट्राली का

टायर फटने के चलते मार्ग अवरुद्ध होकर रह जाता हैं। जिससे अनेकों प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होकर रह जाती हैं। काफी समय तक लम्बा जाम लग कर रह जाता है। नगर के अन्दर अनेक मुहल्लों में चौको से लदी ट्रालियों जो अधिक भार के चलते रास्ते एवं नालियों वजन को नियंत्रण न कर टूट फूट कर रह जाते हैं। रास्तों सहित नाले एवं नालोयो में गड्ढे बनकर रह जाते हैं। जिससे उनको नुकसान पहुंच पाता है सबसे अहम बात यह है कि टेक्टर ट्रालीयो से अधिक भार भर कर उनका प्रयोग किया जाता है जबकि ट्रक वालों से भार आदि हर्जाना लिया जाता है ट्राली में लदा भार बिना किसी धन अदायगी के सरकार को नुकसान पहुंचाया जाता है यातायात के नियमों का पालन न कर खुलेआम नियम विरुद्ध कार्य को अन्जाम दिया जाता है जबकि टेक्टर ट्राली का प्रयोग केवल कृषि कार्य किये जाने को लेकर किया जाना होता है ऐसा न कर टेक्टर ट्राली वालों के होंसले आसमान छूते नजर आ रहे हैं किसी भी प्रकार कोई भी कोई कार्यवाही न कर अधिकारी अपने आँखे बन्द किये बैठे हैं। जिस पर रोक लग पाना नियम एवं कानून के विरुद्ध लीपा पोती कर उसको अन्जाम दिया जा रहा है।

# दीपावली के अवसर पर दुकानदारों द्वारा मिलावट खौर सक्रिय होकर दे रहे हैं अंजाम

**टाण्डा (रामपुर)।** दीपावली के अवसर पर दुकानदारों द्वारा मिलावट खौर सक्रिय होकर दे रहे हैं अंजाम, खाद विभाग द्वारा नहीं किया जा रहा है सर्वे मिलावटी मिठाईयां आदि के प्रयोग के चलते उनके सेवन से स्वास्थ्य पर पड़ रहा है बुरा असर, खाद विभाग है अभी भी बेखबर दीपावली के अवसर पर मिठाईयां आदि की दुकानों पर जम कर भीड़ दिखाई दे रही है साथ ही दूध पनीर एवं मिठाईयों की जमकर बिक्री की जा रही है इसके सेवन से स्वास्थ्य पर बुरा असर जैसे उल्टियां आदि गम्भीर तरह की बीमारियां पनपने का भय बना हुआ है खाद विभाग का ध्यान इस और बिल्कुल नहीं है अन्य प्रकार की सामग्रियां मिलाकर पनीर, व मिठाई तैयार कर उनको खुलैआम बेचा जा रहा है साथ ही ग्राहकों को भी चूना लगाकर मन मर्जी के चलते धन ऐठां जा रहा है सामूहिक तौर पर अभियान चलाकर दुकानदारों के विरूद्ध कड़ी एवं कानूनी कार्यवाही को अपना कर रोक लगाई जाय ऐसा प्रतीत होता है कि सम्बंधित अधिकारियों की सांठ गांठ के चलते बखूबी कार्य को अन्जाम दिया जा रहा है जिस पर कार्यवाही का किया जाना रोक लग पाना भी कठिन कार्य साबित हो पा रहा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# हेल्दी और फिट रहने के लिए करें इन मुरब्बों का सेवन

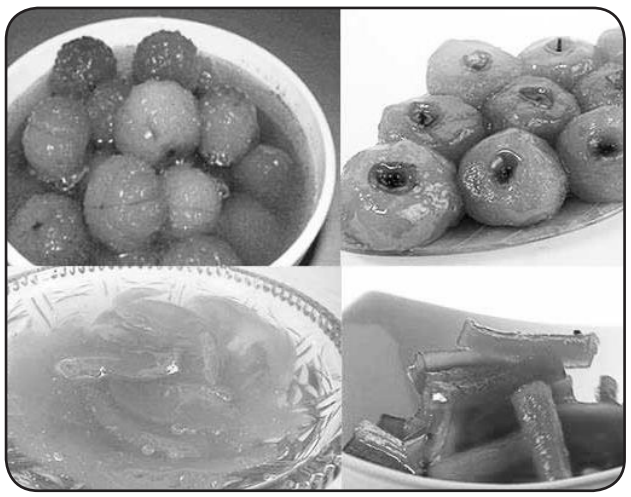

लोग शरीर को सेहतमंद रखने के लिए फ्रैश फ्रूटस का सेवन तो करते ही हैं अगर विटामिन-सी, आयरन, फाइबर, फास्फोरस और प्रोटीन से भरपूर मुरब्बे का इस्तेमाल किया जाए तो यह सेहत के लिए और भी ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं। इसे खाने से आपको काम करते हुए थकावट भी नहीं होगी और साथ ही में आपके शरीर में पूरा दिन ऊर्जा भी बनी रहेगी। फलों का मुरब्बा आपके शरीर को हैल्दी रखने के साथ कई तरह के रोगों से भी बचाता हैं। मौसम के अनुसार ही इसका प्रयोग करना चाहिए। आज हम आपको शरीर को हेल्दी रखने के लिए विभिन्न प्रकार के मुरब्बों से होने वालें लाभों के बारे में बताएगें।

**1. आंवले का मुरब्बा**

इसमें विटामिन-सी, आयरन और फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। दिन में 1 या 2 मुरब्बे का सेवन करना चाहिए। यह आपके शरीर को कब्ज, बवासीर, जलन, बढे हुए पित्ते, चमड़ी रोगों से बचाता है। अगर आपको बहुत ही ज्यादा गुस्सा आता है तो 2 मुरब्बे जरूर खाएं। इसके अलावा यह आपके शरीर में पूरा दिन ऊर्जा बनाए रखेगा।

**2. सेब का मुरब्बा**

जिन लोगों को मोटापे और रात को नींद न आने की समस्या है। उनके लिए सेब का मुरब्बा बहुत ही फायदेमंद है। इसमें आयरन, फास्फोरस, प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन-बी बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसका सेवन करने से पूरा दिन शरीर में ठंडक बनी रहती है। यह आपको कई प्रकार के रोगों से भी बचाता है।

**3. गाजर का मुरब्बा**

गाजर खाना तो सेहत के लिए वैसे भी बहुत फायदेमंद होती है अगर इसका मुरब्बा मिल जाए तो इसकी पौष्टिकता और भी बढ़ जाती है। इसके सेवन से डिप्रेशन की समस्या से राहत मिलती है। इसमें आयरन और विटामिन-ई भरपूर मात्रा में पाया जाने के कारण यह आंखो की रोशनी बढ़ाने में बहुत ही मददगार है। यह पेट की गैस और जलन जैसे रोगों को जड़ से खत्म करता है।

**4. बेल का मुरब्बा**

बेल के मुरब्बे में कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। यह शरीर को दिमाग और हृदय रोगों से बचाता है। इसके अलावा यह पेट की समस्याओं जैसे एसिडिटी, अल्सर और कब्ज आदि को भी खत्म करता है।

# सूखे Eyeliler का इस तरीके से करें इस्तेमाल, मिलेगा परफेक्ट लुक

आईलाइनर लड़कियों के मेकअप का जरूरी हिस्सा बन गया है। पार्टी, फंक्शन हो या केजुअल लुक खुद को परफेक्ट दिखाने के लिए लड़कियां आईलाइनर जरूर लगाती है। कोई मेकअप किया हो या न हो, सिर्फ आईलाइनर लगाने से ही चेहरे की पूरी लुक बदल जाती है। अक्सर लड़कियां आईलाइनर सूखने के बाद उसे फैंक देती है लेकिन इसे फैंकने के बजाए आप इसका इस्तेमाल आईब्रोज को खूबसूरत बनाने के लिए कर सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह अपने सूखें आईलाइनर का इस्तेमाल करके आप अपनी आईब्रोज को सुंदर बनाकर खुद को ग्लैमर लुक दे सकती है। तो चलिए जानते है सूखें लाइनर से आईब्रोज को सुंदर बनाने का तरीका।

## ऐसे करें सूखे आईलाइनर का इस्तेमाल

सबसे पहले को अपनी आईब्रोज स्पूली से कोम्ब करे सूखा लें। इसके बाद लाईनर से आईब्रोज की बेस पर लाइन ड्रॉ करके उंगलियों से इसे स्मज करें। स्मज करने के बाद स्पूली से आईब्रोज हेयर को नीचे की तरफ कोम्ब करके टॉप बेस पर लाइन ड्रॉ करें। इसके बाद लाईनर को बालों पर अच्छी तरह लगाएं। आखिर में स्पूली से आईब्रोज हेयर को अच्छी तरह कोम्ब करके शेप दें। शेप देने के बाद बाकी जगहें पर ब्रोज पाउडर लगाकर स्मज करें। आप इसे हाईलाइट करने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

# जापानी लोगों की ये आदतें उन्हें रखती हैं Fit and Slim

जापान में लड़कियों की खूबसूरती दुनिया भर में मशहूर है। बढ़ती उम्र का असर मानों उनके सामने रूकने के लिए डरता हो। जापान में 30 साल की औरतों के चेहरे का निखार 18 साल की कमसीन लड़की जैसा होता है। 40 की उम्र में उन महिलाओं के चेहरे की खूबसूरती 25 साल की जवां लड़की की तरह नेचुरल ग्लो करती है। इसके पीछे का कारण उनका लाइफस्टाइल और हैल्दी डाइट है। आप भी उनकी तरह नैचुरल निखार पाना चाहते हैं तो फॉलों करे उनके ये ब्यूटी सीक्रेट्स।

**1. बैलेंस डाइट**

जापान के लोग मौसम के हिसाब से खनिज पदार्थों को अपने आहार में शामिल करते हैं। मछली,सी फूड,सोया,चावल,फ्रूट और ग्रीन टी आदि खाने में अलग-अलग तरह की डाइट लेते है। जिनसे उनके शरीर में किसी पोषक तत्व की कमी नहीं रहती और वह स्वस्थ रहते हैं। इसके अलावा उनके नेचुरल निखार का कारण हाई कैलोरी और जंक फूड से दूर रहना भी है। सर्दियों में मीट,मछली,गर्म ड्रिंक्स और सूप को खाने में शामिल करते हैं, गमीर्यों में सी फूड,सलाद के अलावा मौसमी सब्जियों को अहमियत देते हैं।

**2. खाना बनाने का खास तरीका**

खाना बनाने की तकनीक भी जापानी महिलाओं का खुबसूरती का खास कारण है। कम तेल में स्टिम के साथ खाना पकाने से सब्जियों को न्यूट्रिशियंस बरकरार रहते हैं। जिससे बॉडी के साथ-साथ स्किन को भी पूरी तरह से विटामिन्स मिलते रहते हैं। इसके अलावा खाने में मसालों का सावधानी से इस्तेमाल पेट,लिवर,किडनी आदि को स्वस्थ रखने का काम करता है। जिससे उनके चेहरे की खूबसूरती भी बढ़ती जाती है।

**3. खाना खाने का सलीका**

खाना खाने का सलीका भी उनकी खूबसूरती बढ़ाने में बेहद कारगर है। जापानी लोग धीरे-धीरे चबाकर खाना खाते हैं। जिससे पेट से जुड़ी समस्याएं दूर रहती है। जिससे चेहरे पर भी निखार आता है।

**4. चावल और कम नमक**

जापान के लोग ज्यादा मसालेदार खाना खाने की बजाए कम नमक का खाना पसंद करते हैं। इसके साथ ही वह अपने खाने में चावल का भी इस्तेमाल करते हैं। जो उन्हें स्लिम ट्रिम रखने में मदद करते हैं।

**5. संतुलित नाश्ता**

जापानी लोग नाश्ते को खास अहमियत देते हैं। सुबह वे मछली,चावल,आमलेट,सूप, सोया,सीफूड आदि को खाने में शामिल करते हैं।

# सेहत के लिए फायदेमंद है दिन में २ गिलास Alcohol का सेवन

आजकल तो लोग अक्सर पार्टी या ऐसे ही अल्कोहल का सेवन करने है। कुछ लोगों को तो शराब पीना बहुत पसंद होता है। अक्सर आपने सुना होगा शराब का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है लेकिन क्या आप जानते है सही मात्रा में इसका सेवन सेहत के लिए अच्छा होता है। हाल ही एक रिसर्च में बताया गया है कि दिन में 2 गिलास वाइन का सेवन अल्जाइमर बीमारी को दूर करने में मदद करता है। इसके अलावा यह सेहत ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है।

इस रिसर्च में बताया है कि कुछ मात्रा में शराब या वाइन का सेवन दिमाग से टॉक्सिक को बाहद निकालता है, जोकि अलजाइमर के मरीजों के लिए फायदेमंद है। इसके अलावा इसे पीने से दिल के रोग और कैंसर का खतरा भी कम हो जाता है। अमेरिका में यनिवर्सिटी ऑफ रोचेस्टर की मैकेन नेडरगार्ड ने बताया कि लगातार लंबे समय और पूरा दिन इसका सेवन सेहत को नुकसान पहुंचाता है लेकिन दिन में 2 गिलास अल्कोहल का सेवन फायदेमंद होता है।

वाइन या दूसरी अल्कोहल का सेवन मेटाबॉलिज्म सही करके वजन कम करने में मदद करता है। इसके अलावा इससे अनिद्रा, मुंह की बदबू, कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल, शरीर की सूजन, पाचन शक्ति मजबूत और पेट की समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# सलमान खान ने मांगे 200 करोड़ रुपये!

इजाजत मिलने के बाद भी 80 प्रतिशत से ज्यादा सिनेमाघर बंद है। जो खुले हैं उनमें नाम मात्र दर्शक पहुंच रहे हैं। बड़ी फिल्मों के निर्माता फिल्म अभी रिलीज नहीं करना चाहते। दर्शक पुरानी फिल्म सिनेमाघर जाकर देखना नहीं चाहते। कुल मिलाकर फिल्म इंडस्ट्री की हालत पतली है और इसका फायदा ओटीटी प्लेटफॉर्म वाले उठा रहे हैं। हर सप्ताह दो-तीन बड़ी फिल्में सिनेमाघर की बजाय इन प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज की जा रही हैं। अब तो अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारे की फिल्म 'लक्ष्मी' भी सीधे दिखा दी गई है। भले ही फिल्म की खूब बुराई की गई हो, लेकिन दर्शकों ने पहले ही दिन इस फिल्म को जम कर देखा है। बड़ी फिल्मों के निर्माता आखिर कब तक रूके? करोड़ों रुपये उनके अटके हुए हैं। सूर्यवंशी, 83 और राधे जैसी फिल्में कब से रिलीज की बाट जोह रही हैं। बॉलीवुड में यह चर्चा लगातार चल रही है कि सलमान खान की 'राधे' भी ओटीटी पर दिखाई जा सकती है और उनकी एक बड़े प्लेटफॉर्म से बात चल रही है। बात रकम को लेकर अटकी हुई है। सलमान चाहते हैं कि उन्हें 200 करोड़ रुपये दिए जाए जिसके लिए प्लेटफॉर्म वाले तैयार नहीं हैं। सूत्रों के मुताबिक सलमान 175 करोड़ से नीचे नहीं आना चाहते और ओटीटी वाले 160 करोड़ रुपये के ऊपर जाना नहीं चाहते। लेकिन कहीं ना कहीं तो जाकर सहमत होना होगा। यदि सलमान की फिल्म भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखाई जाती है तो यह सिनेमाघर वालों को करारा झटका होगा।

# ...शमिता शेट्टी ने ठुकरा दी थी आमिर खान की 'लगान'

**शिल्पा शेट्टी** की छोटी बहन शमिता शेट्टी ने 2000 में रिलीज हुई फिल्म 'मोहब्बतें' से अपने बॉलीवुड डेब्यू किया था। यशराज बैनर तले बनी इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय सहित कई सितारे नजर आए थे। फिल्म में शमिता को उदय चोपड़ा के साथ रोमांस करते हुए देखा गया था। शमिता शेट्टी ने भले ही 'मोहब्बतें' से धमाकेदार डेब्यू किया था लेकिन कम ही लोगों को पता है कि इस फिल्म के लिए शमिता ने आमिर खान की सुपरहिट फिल्म 'लगान' में काम करने से मना कर दिया था। हाल में शिल्पा शेट्टी ने यह खुलासा नेहा धूपिया के चैट शो में किया है। शिल्पा ने बताया कि शमिता को एक ही समय में दो फिल्में 'लगान' और 'मोहब्बतें' ऑफर हुई थीं। शमिता दोनों फिल्मों के लिए हामी नहीं कर सकती थीं। उन्होंने इनमें से 'मोहब्बतें' को चुना। उनके बाद 'लगान' में लीड एक्ट्रेस के तौर पर ग्रेसी सिंह को कास्ट कर लिया गया। हालांकि, शमिता को इसका कोई पछतावा नहीं होना चाहिए। बता दें कि आमिर खान की 'लगान' को दर्शकों और समीक्षकों ने इतना पसंद किया था कि यह ऑस्कर के लिए भी नॉमिनेट हुई थी। इस फिल्म ने आठ नेशनल अवॉर्ड, आठ फिल्मफेयर और आठ स्क्रीन अवॉर्ड अपने नाम किए थे। फिल्म में आमिर के अलावा ग्रेसी सिंह और हॉलीवुड अभिनेत्री रशेल शैले ने अहम किरदार निभाए थे।

# बॉलीवुड में कमबैक करने की तैयारी कर रहीं तनुश्री

**बॉलीवुड** में मीटू मूवमेंट की शुरूआत करने वाली एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता लंबे समय से पर्दे से गायब हैं। फिल्म इंडस्ट्री से दूर जा चुकी तनुश्री ने अब सिनेमा जगत में अपनी वापसी का ऐलान कर दिया है। इस कमबैक के लिए उन्होंने जमकर पसीना बहाते हुए 15 किलो वजन कम कर लिया है। तनुश्री ने सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट शेयर करते हुए अपनी वापसी की घोषणा की है। उन्होंने लिखा, ऐसी खबरें चल रही हैं कि मैं एलए में एक आईटी जॉब कर रही हूं। मेरे पास आईटी सेक्टर में एक अच्छी खासी नौकरी थी मगर मैंने उसे एक्सेप्ट नहीं किया क्योंकि मैं अपने अंदर के आर्टिस्ट को जिंदा रखना चाहती हूं। मैं अपने अंदर के कलाकार को दोबारा ढूंढना चाहती हूं। मैंने तय किया है कि मैं अपना प्रोफेशन बदलने में जल्दबाजी नहीं करूंगी और एक बार फिर से बॉलीवुड में अवसरों की तलाश में रहूंगी। मैं अब भारत में रहकर कुछ इंटेरेस्टिंग प्रोजेक्ट्स पर काम करूंगी। मुझे मूवीज और वेब सीरीज के तौर पर बॉलीवुड में काफी काम मिल रहा है। उन्होंने बताया, इस समय मैं 3 साउथ फिल्म मैनेजर्स के संपर्क में हूं जो बड़ी फिल्मों में काम के लिए मेरी मदद करेंगे। मुंबई के 12 कास्टिंग ऑफिसेज के संपर्क में हूं। ये वो लोग हैं जो सच जानते हैं और अंदर ही अंदर मेरे साथ हैं। ये मेरे शुभचिंतक हैं। कुछ बड़े प्रोडक्शन हाउस भी हैं जिनसे लीड रोल के लिए बात चल रही है। तनुश्री ने अपने पोस्ट के अंत में लिखा- महामारी की वजह से शूटिंग की डेट पक्की नहीं हो पा रहीं जिसकी वजह से मैं कोई घोषणा नहीं कर सकती।